सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 181 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 5 अगस्त, 2024

मूल्य ₹ 3/-

केवल वे लोग जो कुछ भी नहीं बनने के लिए तैयार हैं प्रेम कर सकते हैं।

-ओशो

भारतीय हॉकी टीम सेमीफाइनल... 7 | महाराष्ट्र व बिहार में शह-मात का... 3 | अनुसूचित जातियों को एकजुट... 2

अखिलेश का सीएम योगी पर तीखा प्रहार

'लोकतंत्र में विश्वास नहीं रखते सीएम योगी'

विधानसभा में मुस्लिम-यादव का नाम ही क्यों पढ़ा

अयोध्या कांड व गोमतीनगर छेड़छाड़ मामले में भाजपा को घेरा

» बोले- सिर्फ राजनीति कर रही योगी सरकार

» समाजवादियों व मुस्लिमों को बदनाम कर रही बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गोमती नगर में छेड़छाड़ की घटना, अयोध्या दुष्कर्म मामले व वक्फ बोर्ड को लेकर समाजवादी पार्टी प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने बीजेपी व योगी सरकार को जमकर कोसा। सपा प्रमुख ने सोमवार को योगी सरकार पर पलटवार करते हुए कहा कि योगी सरकार मुसलमानों और समाजवादियों को बदनाम करने का काम कर रही है।

अखिलेश ने विधानसभा में यादव और मुस्लिम आरोपियों का नाम लेने पर सवाल उठाते हुए कहा कि लिस्ट बहुत लंबी थी, लेकिन दो का ही नाम क्यों लिया गया। उन्होंने अयोध्या में किशोरी से दुष्कर्म के आरोपी सपा नेता के डीएनए टेस्ट की मांग को सही बताया और कहा कि योगी सरकार की सात साल से अधिक सजा वाले मामले में यह कानून लेकर आई है। गोमती नगर घटना पर अखिलेश यादव का सीएम योगी पर अटैकअखिलेश ने कहा कि दूसरी घटना गोमतीनगर की थी। इस मामले में आरोपियों की सूची बहुत लंबी थी। पुलिस ने सभी नामों की सूची दी, फिर सदन में यादव और मुस्लिम का नाम क्यों पढ़ा गया। जिस यादव का नाम लिया गया, वह कैमरे के फुटेज में नहीं था। अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी चुनाव से पहले साजिश की तैयारी कर रही है। सरकार को पहले दिन से ही समाजवादियों को बदनाम करने का टारगेट रहा है।

चुनाव से पहले साजिश कर रही भाजपा

हर वर्ग के लोगों का ध्यान रखते थे जनेश्वर मिश्र : सपा प्रमुख

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने राजधानी लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क पहुंचकर समाजवादी पार्टी के पूर्व नेता जनेश्वर मिश्र को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उन्हें याद किया। इस मौके पर सपा प्रमुख ने कहा कि हम समाजवादियों ने जनेश्वर मिश्र को बहुत करीब से देखा है, उन्होंने पूरा जीवन समाजवादियों को आगे बढ़ाने के लिए काम किया। जनेश्वर मिश्र उस पीढ़ी के नेता हैं, जिन्होंने आजादी के बाद किसान, गरीब, मजदूर और हर वर्ग के लोगों के लिए कैसे समान का जीवन मिले।

हाथरस घटना पर भी घेरा

अखिलेश ने हाथरस की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि साधु संत के कार्यक्रम की इजाजत के लिए बीजेपी नेताओं ने लिखा था, लेकिन सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए. इसका नतीज यह हुआ की बड़ी संख्या में लोगों की जान गई और कई घायल हुए।

अयोध्या की पीड़िता को लखनऊ मेडिकल कॉलेज किया गया रेफर

जिला महिला अस्पताल में भर्ती दुष्कर्म पीड़िता को संसाधनों के अभाव में अग्निम इलाज के लिए केजीएमयू रेफर कर दिया गया है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एंबुलेंस से सीएमओ डॉ. संजय जैन पीड़िता को लेकर लखनऊ के लिए रवाना हुए हैं। मदरसा दुष्कर्म कांड की पीड़िता हैवानियत की शिकार होकर गर्भवती हो गई है।

केजरीवाल सरकार को सुप्रीम झटका

» एलजी कर सकते हैं नगर निगम में एल्डरमैन की नियुक्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में एल्डरमैन की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुना दिया है। कोर्ट ने कहा कि उपराज्यपाल (एलजी) सरकार से सलाह लिए बिना नगर निगम में एल्डरमैन की नियुक्ति कर सकते हैं। कोर्ट के फैसले के बाद आप सरकार को तगड़ा झटका लगा है।

दिल्ली सरकार ने मंत्रिपरिषद की सलाह के बिना नगर निगम में एल्डरमैन की नियुक्ति करने के उपराज्यपाल के फैसले को चुनौती देते हुए कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई करते हुए बीते वर्ष मई में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने माना कि नगर निगम अधिनियम के तहत उपराज्यपाल को वैधानिक शक्ति दी गई है। जबकि सरकार कार्यकारी शक्ति पर काम करती है। इसलिए उपराज्यपाल को वैधानिक शक्ति के अनुसार काम करना चाहिए, न कि दिल्ली सरकार की सहायता और सलाह के अनुसार। कोर्ट ने कहा कि नगर निगम अधिनियम में प्रावधान है कि उपराज्यपाल नगर निगम प्रशासन में विशेष ज्ञान रखने वाले दस व्यक्तियों को नामित कर सकते हैं।

बड़ी अदालत बोली- दिल्ली सरकार की सलाह लेने की जरूरत नहीं

एलजी को अधिकार दिया पर अस्थिर नहीं कर सकते नगर निगम : सीजेआई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि उपराज्यपाल को एमसीडी में 'एल्डरमैन' नामित करने का अधिकार देने का मतलब है कि वह निर्वाचित नगर निकाय को अस्थिर कर सकते हैं। सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ ने एमसीडी में 'एल्डरमैन' को नामित करने के उपराज्यपाल के अधिकार को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रखते हुए यह बात कही थी।

केंद्र-राज्य को भेजी गई 'सुप्रीम' नोटिस

» छात्रों की मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त

» बोली शीर्ष अदालत- कोचिंग सेंटर डेथ चेंबर बन गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (5 अगस्त) को दिल्ली कोचिंग सेंटर हादसे में जान गंवाने वाले छात्रों के मामले पर स्वतः संज्ञान लिया। शीर्ष अदालत ने केंद्र और राज्य सरकार दोनों को नोटिस जारी किया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा, कोचिंग सेंटर देश के विभिन्न हिस्सों से आए छात्रों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। वह डेथ चैंबर बन गए हैं।

कोचिंग संस्थानों में फायर सेफ्टी रूल्स के पालन से जुड़े हाईकोर्ट के एक आदेश के खिलाफ कोचिंग सेंटर फेडरेशन सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था।

सरकार बताए, अब कौन से सुरक्षा मानदंड बनाए गए

जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, हमें नहीं मालूम है कि अभी तक दिल्ली सरकार या केंद्र सरकार ने क्या प्रभावी उपाय किए हैं. अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए कोचिंग सेंटरों में पढ़ने वाले कुछ छात्रों की जान जाने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई ये घटना सभी के लिए आंखें खोलने वाली है।

भाजपा की नीयत में खोट : अखिलेश यादव

» अयोध्या में दरिंदगी पर सियासी वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या में 12 साल की बेटी के साथ दरिंदगी के मामले में लगातार सियासी तीर चल रहे हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखे प्रहार किये। उन्होंने कहा कि भाजपा बदनीयती करती है। उन्होंने एक्स के माध्यम से कहा कि बलात्कार पीड़िता के लिए सरकार अच्छे-से-अच्छा इलाज का प्रबंध कराए।

बालिका के जीवन की रक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है। अखिलेश ने आगे लिखा कि न्यायालय से विनम्र आग्रह है कि स्वत: संज्ञान लेकर स्थिति की संवेदनशीलता और गंभीरता को देखते हुए अपने पर्यवेक्षण में पीड़िता की हरसंभव सुरक्षा सुनिश्चित करवाए। उन्होंने कहा कि बदनीयत लोगों का इस तरह की घटनाओं का राजनीतिकरण करने का मंसूबा कभी कामयाब नहीं होना चाहिए।

गुमराह न करें सपा प्रमुख : केशव

इस पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पलटवार करते हुए लिखा कि कांग्रेस के मोहरा अखिलेश यादव निषाद समाज की पीड़ित बेटी के मामले में पहले आप (सपा अध्यक्ष) पीडीए भूल डीएनए और अब न्यायालय की बात कर गुमराह न करें। उन्होंने लिखा कि अखिलेश को वोट बैंक के नाराज होने की चिंता है। प्रदेशवासियों को दोषी को दंड और पीड़ित को न्याय दिलाने की अपेक्षा है। सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाएगी।

सपा प्रमुख को कार्रवाई पर भरोसा नहीं तो खुद करें जांच : ओमप्रकाश राजभर

सुभासपा अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने भी सोशल मीडिया पर कहा कि प्रदेश में एनडीए की सरकार है। इस सरकार को बुल्डोजर सरकार कहते हैं। अपराधी इस सरकार से डरते हैं। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव की सरकार को लोग गुंडों की सरकार कहते थे और प्रदेश की एनडीए की सरकार को लोग बुलडोजर सरकार कहते हैं। इस सरकार से अपराधी डरते हैं। सपा की सरकार में अपराधी बेखौफ होकर घूमते थे। अपराधियों को संरक्षण मिलता था। अगर सपा प्रमुख को सरकार की कार्रवाई पर भरोसा नहीं है तो उन्हें खुद इस विषय पर जांच कर लेनी चाहिए।

सपा अपराधी के साथ खड़ी : विश्वनाथ पाल

बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कहा कि समाजवादी पार्टी की संवेदना दुष्कर्म पीड़िता के साथ नहीं है। वह इस घृणित कार्य को करने वाले अपराधी के साथ खड़ी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से डीएनए जांच कराए जाने के संबंध में दिया गया बयान इसका जीता-जागता उदाहरण है। इनके पीडीए की भी सच्चाई सामने आ गई है। बसपा प्रदेश अध्यक्ष ने शनिवार को दुष्कर्म पीड़िता के गांव जाकर उसकी मां और जिला महिला अस्पताल में पीड़िता से मुलाकात की। इस दौरान बातचीत करते हुए कहा कि पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के निर्देश पर वे यहां आए हैं। बसपा पीड़ित परिवार के साथ है। इन्हें तत्काल न्याय मिलना चाहिए था लेकिन इसमें हुई देरी प्रदेश सरकार पर प्रश्नचिन्ह है। डेढ़ महीने तक निषाद समाज की बेटी की आवाज नहीं सुनी गई। जब समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन कर दबाव बनाया, तब एफआईआर दर्ज की गई।

पहुंचे भाजपा के नेता

दुष्कर्म पीड़िता के घर रविवार को भाजपा प्रतिनिधि मंडल के सदस्य पहुंचे। इस प्रतिनिधि मंडल में पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नरेंद्र कश्यप, राज्यसभा सांसद बाबू राम निषाद व संगीता बलवंत के साथ-साथ नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्त भी मौजूद रहे। इस मौके पर भाजपा नेताओं ने कहा कि परिवार को किसी भी तरह की धमकी से डरने की जरूरत नहीं है। किसी प्रकार की समस्या आने पर उनसे संपर्क करें। पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन भी पीड़िता के घर पहुंचीं। उनके अस्पताल जाकर पीड़िता से मिलने की भी संभावना जताई जा रही है।

अनुसूचित जातियों को एकजुट रहने की जरूरत : मायावती

» बसपा प्रमुख बोलीं- सुप्रीम कोर्ट का फैसला आरक्षण को खत्म करने जैसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमों मायावती ने कहा कि उनकी पार्टी सुप्रीम कोर्ट द्वारा किए गए एससी जाति में उपजाति विभाजन करने के फैसले से सहमत नहीं है। मायावती ने कहा कि आरक्षण पर नई सूची बनाने से कई तरह की परेशानियां सामने आएंगी। उन्होंने कहा कि पंजाब राज्य के मामले में 20 साल पहले के फैसले पर सुनवाई सही नहीं। साथ ही साथ एससी एसटी के बीच उपजाति का विभाजन करना सही नहीं फैसला नहीं होगा।

बसपा सुप्रीमों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला कहीं न कहीं आरक्षण को खत्म करने के प्लान जैसा है। उन्होंने क्रीमीलेयर के मानक पर भी सवाल उठाए। मायावती ने दो टूक लहजे में कहा कि भविष्य में आरक्षण में किसी भी तरह के बदलाव की कोशिशें न हों। संविधान के नौवीं अनुसूची में इसे शामिल किया जाए।

भाजपा-कांग्रेस एक ही सिक्के के दो पहलू : आकाश आनंद

बहुजन समाज पार्टी के नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दोनों ने जनता को लूटा है। कांग्रेस के शासनकाल में युवाओं को गुमराह कर देश को बांटने का काम किया गया था, जबकि भाजपा राज में पेपर लीक से युवाओं के भविष्य संग खिलवाड़ किया गया है। बसपा नेता रविवार को जगाधरी नई अनाज मंडी में आयोजित बसपा-इनेलो गठबंधन के संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

आउटसोर्सिंग भर्ती कैंसर से भी खतरनाक : अनुप्रिया

» अपना दल (एस) ने अपनी ही सरकार को फिर घेरा

» जातीय जनगणना की मांग भी की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपना दल (एस) की अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने भी जातीय जनगणना के अलावा आउटसोर्सिंग से होने वाली भर्तियों में आरक्षण की मांग उठाकर सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। अनुप्रिया ने कहा कि आउटसोर्सिंग कैंसर से भी खतरनाक है। आउटसोर्सिंग में भर्तियों में आरक्षण का पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में जातीय जनगणना भी कराया जाना चाहिए, ताकि जातिय आंकड़ों की सही जानकारी सामने आ सके।

अनुप्रिय सहकारिता भवन सभागार में आयोजित पार्टी की मासिक बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि पहले तो समाज के दबे कुचले लोगों को चतुर्थ श्रेणी में नौकरी भी मिल जाती थी, लेकिन अब आउटसोर्सिंग से भर्ती की वजह से छोटी-मोटी नौकरियों की गुंजाइश भी खत्म हो गई है। उन्होंने कहा कि वंचित समाज को यदि हक, सम्मान और भागीदारी देनी है तो जातीय संख्या का अधिकारिक आंकड़ा होना जरूरी है। अनुप्रिया ने कहा कि संविदा नौकरियों में आरक्षण की मांग हम इसलिए करते हैं, क्योंकि संविदा की नौकरी भी सरकारी नौकरी है और अगर सरकारी नौकरी है, तो आरक्षण भी होना चाहिए। उन्होंने न्यायपालिका में भी वंचितों की भागीदारी बढ़ाने के लिए अखिल भारतीय न्यायिक सेवा का गठन करने की मांग उठाई। कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव के परिणामों से निराश न होने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि एक-एक कार्यकर्ता को सिपाही बनकर पार्टी के लिए लगे रहना होगा।

संगठन से ही बनती हैं सरकारें

अनुप्रिया ने केशव प्रसाद के बयान का समर्थन करते हुए यह बात सही है कि संगठन सरकार से बड़ा होता है। उन्होंने कहा कि संगठन की मेहनत से ही सरकारें बनती हैं। इसलिए संगठन के महत्व से इन्कार नहीं किया जा सकता है। संगठन की अहमियत को किसी एक नहीं, सभी पार्टियों में अधिक होता है। अयोध्या की घटना को लेकर अनुप्रिया ने कहा अपराधी का कोई जाति या मजहब नहीं होता। इस मामले में आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

वंचितों के हक के लिए सड़क से सदन तक होगा संघर्ष : राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पार्टी को पूरे दमखम से आगे बढ़ाने में लगे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि वंचितों के हक की लड़ाई कांग्रेस ही लड़ रही है। सदन में राहुल गांधी निरंतर दलितों, अल्पसंख्यकों एवं पिछड़ों की आवाज उठा रहे हैं। पार्टी प्रदेश के हर जिले में गरीबों के हक के लिए सड़क पर उतर कर संघर्ष करेगी। वे पार्टी कार्यालय में हुए सदस्यता ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे।राय ने कहा कि कांग्रेस की नीतियों एवं उसकी समावेशी विचारधारा से प्रभावित होकर कई लोग पार्टी की सदस्यता ले रहे हैं।

कहा, प्रयागराज से सेवानिवृत्त पीसीएस अधिकारी श्रीप्रकाश और बुलंदशहर के इं. प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में सदस्यता लेने वालों के मान सम्मान पर कभी आंच नहीं आएगी। पार्टी की सदस्यता लेने वाला हर व्यक्ति संविधान पर भरोसा करता है, यही वजह है कि वह कांग्रेस से जुड़ रहा है। समारोह को उपाध्यक्ष एवं प्रभारी प्रशासन दिनेश सिंह ने भी संबोधित किया। कांग्रेस में शामिल होने वालों में जयकांत शुक्ला, दिनेश द्विवेदी, नन्हे पांडेय, दीपक कुमार, खेमचंद, राकेश व प्रदीप मुख्य हैं।

महाराष्ट्र व बिहार में शह-मात का खेल शुरू

चुनावों के मोड में आने लगे सियासी दल

» भाजपा-यूबीटी व राजद-जदयू में रार

» उद्धव-तेजस्वी ने कसी कमर

» पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने भाजपा नेता फणनवीस को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र व बिहार में जैसे-जैसे चुनाव करीब आ रहे हैं वहां की सियासत भी नए-नए रंग बदल रही है। कभी फणनवीस को भाजपा अध्यक्ष बनाने को लेकर खबरें चलाई जा रही है तो कभी पवार के बयान को लेकर एक दूसरे पर हमला किया जा रहा है। कुछ बयान तो ऐसे भी आ रहें जिससे भाजपा व यूबीटी में जुबानी जंग तीखी होती जा रही है। दरअसल उद्धव ठाकरे द्वारा अमित शाह को अहमद शाह अब्दाली कहने पर संग्राम भी मचा हुआ। वहीं बिहार में भी राजनीति तेज है। पूलों के गिरने व कानून व्यवस्था पर जदयू-बीजेपी को कई बार घेर चुके तेजस्वी यादव इसबार बिहार में आरक्षण व विशेष दर्जे के विषय पर नीतीश व मोदी सरकार पर हमलावर हैं।

इसबीच महाराष्ट्र एक बार फिर सियासी गलियारों में आरोप-प्रत्योप का दौर शुरू हो गया है। हाल ही में राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने हाल ही में उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर आरोप लगाया था कि भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस के एक 'बिचौलिये' ने उन्हें मुकदमेबाजी में फंसने से बचने के लिए (तत्कालीन) महा विकास आघाडी सरकार के बड़े नेताओं के खिलाफ हलफनामा देने को कहा था। हालांकि, इन आरोपों को फडणवीस ने नकार दिया। इस मामले में मुंबई पुलिस के बर्खास्त अधिकारी और 100 करोड़ रुपये की जबरन वसूली मामले में आरोपी सचिन वाजे ने अनिल देशमुख को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने बताया कि देशमुख के पीए के माध्यम से ही पैसे जाता था। सचिन वाजे के इन दावों पर अनिल देशमुख ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि सचिन वाजे एक आपराधिक पृष्ठभूमि वाला व्यक्ति है, उसपर कभी भरोसा नहीं चाहिए।

महाराष्ट्र में ये है मामला

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता देशमुख ने अप्रैल, 2021 में गृहमंत्री के पद इस्तीफा दे दिया था क्योंकि मुंबई के तत्कालीन पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने उनपर आरोप लगाया था कि वह पुलिस को शहर के होटल एवं बार मालिकों से वसूली करने को कहते हैं। एनसीपीएसपी के नेता ने समाचार चैनलों से बातचीत में कहा कि (तब विपक्ष में रहे) फडणवीस द्वारा कथित रूप से भेजे गए एक व्यक्ति ने उनसे मुलाकात की थी और उसके पास तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, उनके बेटे और कैबिनेट मंत्री आदित्य ठाकरे, तत्कालीन वित्त मंत्री अजित पवार और तत्कालीन परिवहन मंत्री अनिल परब को फंसाने वाले कई हलफनामे थे। पूर्व मंत्री ने दावा किया कि उस व्यक्ति ने उनसे कहा था कि उन्हें खुद को मुकदमेबाजी से बचाने के लिए इन हलफनामों पर दस्तखत कर देना चाहिए, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से मना कर दिया।

आरोपी तक भाजपा कार्यकर्ता की तरह बोल रहे हैं : संजय राउत

सचिन वाजे के बयान पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने अनिल देशमुख का बचाव किया। उन्होंने कहा, एक आरोपी भाजपा कार्यकर्ता की तरह बोल रहा है। इस तरह उन्होंने महाराष्ट्र की राजनीति का स्तर गिरा दिया है। अनिल देशमुख एक पूर्व नेता हैं। उन्हें भी बोलने का अधिकार है, लेकिन उनपर दबाव बनाने के लिए आपको (भाजपा) एक आरोपी की मदद लेनी पड़ेगी। यह आपकी विफलता है। वह मानसिक रूप से चुनाव हार गए हैं।

नई-नई चालें चल रहे फणनवीस : देशमुख

अनिल देशमुख ने कहा, पांच-छह दिन पहले मैंने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीज पर आरोप लगाया था कि तीन साल पहले फडणवीस तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को जेल भेजना चाहते थे। वे आदित्य ठाकरे को भी जेल में डालना चाहते थे। वह मेरे पास एक हलफनामा लेकर आए थे। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं उनपर (ठाकरे) आरोप लगाऊं, जिससे वे जेल चले जाएं। मैंने इसे सार्वजनिक कर दिया था। अब यह देवेंद्र फडणवीस की नई चाल है। उन्होंने सचिन वाजे को पकड़कर उसका इस्तेमाल कर रहे हैं। हाई कोर्ट ने सचिन वाजे को लेकर कहा था कि वह एक आपराधिक पृष्ठभूमि वाला व्यक्ति है। उसे दो हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है और वह अभी भी जेल में ही है। आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति पर भरोसा नहीं करना चाहिए। उसके बयान पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी यही बयान दिया। क्या देवेंद्र फडणवीस को यही व्यक्ति मिला, जिसकी आपराधिक पृष्ठभूमि है। अनिल देशमुख ने बताया कि सचिन वाजे वही कहते हैं जो देवेंद्र फडणवीस उससे कहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह आप सब जानते हैं कि सचिन वाजे ने जो मुझ पर आरोप लगाया है, उसके पीछे किसका हाथ है। लोगों को इसके बारे में जानना चाहिए।

कांग्रेस ने कहा- हमें इसमें नहीं पड़ना है

एनसीपी-एससीपी नेता अनिल देशमुख पर सचिन वाजे के आरोपों पर महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि मैं इसमें नहीं पड़ना चाहता, हमारा सवाल यह है कि राज्य में यह ड्रामा काफी समय से चल रहा है। जबकि अब, देवेंद्र फडणवीस कहते हैं कि मेरे पास ऑडियो और वीडियो दोनों हैं और इसलिए आपको वास्तविकता जानने का अधिकार नहीं है, लेकिन वह कुछ भी नहीं कहेंगे क्योंकि वह केवल डराना चाहते हैं। मुझे लगता है कि उनका समय समाप्त हो गया है, कुछ दिनों में महाविकास अघाड़ी सरकार बनेगी तो हम इसकी जांच करेंगे और सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा।

नीतीश के नेतृत्व में ही लड़ेंगे अगला चुनाव : जायसवाल

नवनियुक्त बिहार भाजपा प्रमुख दिलीप जायसवाल ने कहा है कि उन्होंने उन्हें दी गई नई जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए काम शुरू कर दिया है और राज्य में सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू करेगा। बिहार के मंत्री जयसवाल ने कहा कि वह भविष्य की रणनीति पर चर्चा करने के लिए दिल्ली जा रहे हैं। दिलीप जायसवाल ने कहा कि मैंने अपना काम शुरू कर दिया है और अब मैं भविष्य की रणनीति बनाने के लिए दिल्ली जा रहा हूं। सीएम नीतीश कुमार और पीएम मोदी के नेतृत्व में हम 2025 के राज्य विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू करेंगे। जयसवाल ने शुक्रवार को कहा कि विपक्षी महागठबंधन 2025 की दूसरी छमाही में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव

में एनडीए के सामने टिक नहीं पाएगा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में हम 2025 में बहुमत की सरकार बनाएंगे। लोकसभा चुनाव में हम केवल तीन-चार सीटें हारे, लेकिन राजनीतिक कारणों से नहीं। बिहार बीजेपी प्रमुख ने कहा कि राज्य की जनता राष्ट्रीय जनता दल के असली रंग को जानती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि लोग राजद का चेहरा और चरित्र जानते हैं। अगर उन्हें यादवों से प्यार होता तो वे तेजस्वी यादव से ज्यादा बुद्धिमान लोगों को लाते। आगामी चुनाव में एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा। जयसवाल ने उन्हें बिहार भाजपा प्रमुख नियुक्त करने के लिए पार्टी नेतृत्व को धन्यवाद दिया। दिलीप जयसवाल ने बताया, मुझे बिहार बीजेपी प्रमुख नियुक्त करने के लिए मैं पार्टी नेतृत्व को धन्यवाद देना चाहता हूं। दिवंगत सुशील मोदी, संजय जयसवाल, सम्राट चौधरी और नित्यानंद राय सहित नेता पार्टी को अगले स्तर पर ले गए हैं। दिलीप जयसवाल को गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का बिहार प्रमुख नियुक्त किया गया। उन्होंने सम्राट चौधरी का स्थान लिया है, जो बिहार के उपमुख्यमंत्री हैं।

मेरे बारे में अफवाहें फैलाई जा रही हैं : फडणवीस

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) जल्द ही पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति कर सकती है। इस तरह की चर्चा लगातार हो रही है क्योंकि जेपी नड्डा का कार्यकाल समाप्त हो गया है। जेपी नड्डा को मोदी 3.0 कैबिनेट में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री के साथ-साथ रसायन और उर्वरक मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया है। अब रिपोर्ट्स से संकेत मिल रहा है कि पार्टी अपने नए अध्यक्ष का नाम तय करने के करीब है। इस तरह का दावा किया गया था कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को राष्ट्रीय पार्टी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की उम्मीद है। हालांकि, देवेंद्र फडणवीस ने इसको पूरी तरह से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह चर्चा (बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के बारे में) मीडिया द्वारा ही शुरू की गई है। यह केवल मीडिया में चर्चा है। लेकिन चर्चा जोरों पर है कि फडणवीस आने वाले हफ्तों में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं और नई दिल्ली जा सकते हैं। मुलाकात के बाद फडणवीस परिवार को प्रधानमंत्री के साथ फोटो सेशन का भी मौका दिया गया। बीजेपी के सूत्रों ने बताया कि बैठक में पीएम मोदी और फडणवीस के बीच बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में देवेंद्र फडणवीसस को मुंबई से नई दिल्ली ले जाने के फैसले पर चर्चा हुई और अगले कुछ दिनों में पार्टी के भीतर की राय पर चर्चा की गई। वहीं, सूत्रों ने यह भी बताया कि पहले, आरएसएस और भाजपा के बीच नामों को लेकर मतभेद थे, जिसके कारण राष्ट्रीय भाजपा प्रमुख की नियुक्ति में देरी हुई। हालाँकि, फडणवीस को लेकर आम सहमति बनती दिख रही है। इसलिए फडणवीस-मोदी की मुलाकात महत्वपूर्ण है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

सामाजिक समानता के लिए अहम फैसला!

> दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जातियों-जनजातियों यानी एससी-एसटी समुदाय में आरक्षण के भीतर आरक्षण का रास्ता साफ करके आरक्षण की व्यवस्था को तार्किक, न्यायसंगत, समानतापूर्ण बनाने का सराहनीय कार्य किया है। न्यायालय के इस तरह के फैसले मिसाल ही नहीं, मशाल बन कर सामने आ रहे हैं, जिससे राष्ट्र की विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने कोटे में कोटे का फैसला देकर समाज के सबसे निचले तबके को संवारने की मंशा जताई है। हालांकि सियासी गलियारें में कुछ लोग इसका विरोध कर रहे है। पर कुल मिलाकर संविधान पीठ के अनुसार, आरक्षण का मुख्य मकसद आर्थिक और सामाजिक समानता लाना है, पर इसके लिए शहर और गांव की सामाजिक हकीकत में अंतर के साथ आर्थिक पहलुओं को ध्यान में रखना जरूरी है। ये फैसला अगर लागू हो जाएगा तो सबसे पिछड़े आदमी को जरूर लाभ पहुंचेगा। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जातियों-जनजातियों यानी एससी-एसटी समुदाय में आरक्षण के भीतर आरक्षण का रास्ता साफ करके आरक्षण की व्यवस्था को तार्किक, न्यायसंगत, समानतापूर्ण बनाने का सराहनीय कार्य किया है। न्यायालय के इस तरह के फैसले मिसाल ही नहीं, मशाल बन कर सामने आ रहे हैं, जिससे राष्ट्र की विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित हो रही है।

यह फैसला कई बिल्कुल अलग-अलग वजहों से अहम माना जा रहा है। क्योंकि बड़ा सच यह है कि ओबीसी समाज की तरह एससी-एसटी समुदाय में भी कई जातियों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति न केवल कहीं कमजोर है, बल्कि उन्हें अपने ही वर्ग की अन्य जातियों से भेदभाव का भी सामना करना पड़ता है। यह एक ऐसी सच्चाई है, जिससे कोई इन्कार नहीं कर सकता। यह भी एक तथ्य है कि एससी-एसटी समुदाय में कई जातियां ऐसी हैं, जिन्हें आरक्षण का न के बराबर लाभ मिला है। ऐसा इसीलिए हुआ है, क्योंकि आरक्षण का अधिक लाभ इन वर्गों की अपेक्षाकृत समर्थ जातियां उठाती हैं। यही स्थिति ओबीसी में है। कई अति पिछड़ी जातियों तक आरक्षण का लाभ नहीं पहुंचा है। राजनीतिक एवं संवैधानिक विसंगतियों के कारण ऐसा होता रहा है। सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने जहां छह-एक के बहुमत से एससी-एसटी आरक्षण में कोटे के भीतर कोटे को संविधानसम्मत बताया, वहीं चार न्यायाधीशों ने इन वर्गों के आरक्षण में उसी तरह क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की भी आवश्यकता जताई, जैसी ओबीसी आरक्षण में है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस फैसले से 2004 के पांच सदस्यीय संविधान पीठ के फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि एससी-एसटी समुदाय एक जैसा है और उनकी विभिन्न जातियों में कोई भेद नहीं किया जा सकता। अब चूकि अपने पुराने निर्णय को बड़ी अदालत ने बदल दिया। आरक्षण को जब लागू किया गया था तब ऐसा उम्मीद की गई थी इसका लाभ गरीब तबके को मिलेगा पर अब भी यह कुछ खास तक ही यह सीमित रह गया है। इसलिए ये फैसला उचित है और हर किसी को इसे स्वीकार करना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बढ़ी आमदनी लाएगी किसानों के लिए खुशहाली

देविंदर शर्मा

पिछले लगभग पच्चीस सालों से बजट प्रस्तुत करते समय अमूमन प्रत्येक वित्त मंत्री अपने संबोधन की शुरुआत भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की महत्ती भूमिका का विशेष रूप से बखान से करता आया है। बजटीय भाषणों में इसका गुणगान करने को वे 'किसान की आजादी' से लेकर खेती को देश की 'आर्थिकी की जीवनरेखा' बताने जैसे अनेक जुमले इस्तेमाल करते रहे। अरुण जेटली ने कृषि आय में बढ़ोतरी को सरकार की प्राथमिकता में एक बताया था। निर्मला सीतारमण ने भी कृषि की महत्ता को मान्यता देते हुए इसे अपनी नौ मुख्य प्राथमिकताओं में एक बताकर सम्मानीय स्थान पर रखा है। लगभग हर बजट में जिस प्रकार कृषि को आगे बढ़ाने की बातें की गईं, उसके मुताबिक तो अब तक ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कायाकल्प हो चुकी होती। लेकिन 'ध्यान का केंद्र' ठहराए जाने के बावजूद एक बार भी ऐसा नहीं लगा कि कृषि उबरने की राह पर है।

यह इसलिए क्योंकि अधिक जोर फसल उत्पादन बढ़ाने पर बना रहा- इस उम्मीद से कि इससे किसान को अधिक कीमत और आय मिल पाएगी-परंतु कृषि संत्रास उलटा और बढ़ता गया। यदि सफल हरित क्रांति और प्रत्येक बजटीय सहायताओं के बावजूद किसान की खेती से होने वाली औसत वार्षिक आय 10,218 रुपये जितनी है तो खेती पर गहराए गंभीर संकट से इनकार नहीं किया जा सकता। यहां पर हकीकत की जांच यह है- अनुमानों के अनुसार कर्नाटक में पिछले 15 महीनों में लगभग 1,182 किसानों को आत्महत्या करनी पड़ी है। वहीं महाराष्ट्र में इस साल जनवरी से जून के बीच 1,267 कृषकों को खुदकुशी करनी पड़ी, इसमें 557 मामले अकेले विदर्भ क्षेत्र से हैं। किसानों द्वारा आत्महत्या कोई नया चलन नहीं है। राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो के पिछले 27 साल के रिकॉर्ड ऐसे मामलों की बहुत बड़ी संख्या दर्शाते हैं। जबकि यह काल वह था जिसमें हर साल बजट में कृषि के लिए पिछले साल से अधिक राशि का प्रावधान किया जाता रहा। वर्ष 1995 से 2014 के बीच, 2,96,438 कृषकों को अपना जीवन समाप्त करने का अतिशयी कदम उठाना पड़ा।

वर्ष 2014 से 2022 के बीच यह आकंड़ा 1,00,474 रहा। सरल शब्दों में, 1995 से 2022 के मध्य लगभग 4 लाख किसानों ने आत्महत्या की है और वह भी ऐसे वक्त में जब हर साल बजट में कृषि को उबारने का वादा किया जाता रहा। बजटीय राशि और कृषि संत्रास जारी रहने के बीच कोई मेल नहीं है। तेलंगाना अब कृषि ऋणों को माफ करने के दूसरे चरण में है। इस प्रक्रिया में 6.4 लाख किसानों का 6.198 करोड़ रुपये कर्ज माफ किया जाएगा। जिसमें प्रत्येक किसान को कुल ऋण में 1.5 लाख रुपये की राहत मिलेगी। प्रथम चरण में, लगभग 11.34 लाख कृषकों के बैंक खाते में कुल 6,190 करोड़ रुपये डाले गए। तीसरे चरण में, जो इस महीने शुरू होगा, 17.75 लाख किसानों को 12,224 करोड़ रुपये की ऋण छूट मिलेगी। कुल मिलाकर, सूबे में 35.5 लाख किसानों को कर्ज में राहत मिलेगी। हालांकि, इसका यह मतलब नहीं कि अन्य राज्यों के लिए कृषक के सिर पर बढ़ता जा रहा कर्जा चिंता का विषय नहीं है। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने संसार की मुख्य 54 अर्थव्यवस्थाओं द्वारा किसान को सब्सिडी के रूप में दी जाने वाली मदद का अध्ययन करने के बाद जो नवीनतम वैश्विक विश्लेषण पेश किया है, उसके अनुसार भारत ही एकमात्र देश है जिसका किसान अपना घाटा पूरा करने को यथेष्ट बजटीय प्रावधानों से महरूम है। यह रिपोर्ट बताती है कि भारतीय किसान वर्ष 2000 से साल-दर-साल घाटा खा रहा है। क्या अर्थव्यवस्था का कोई अन्य क्षेत्र लगातार होते घाटे में जीवित रह पाता? भले ही हम कार्यविधि में खामियां ढूंढें लेकिन तथ्य यही रहेगा कि तकनीक विकास की कितनी भी मदद करें या उत्पादकता बढ़ाने को अन्य योजनाओं को कितना भी धन दें, लेकिन इससे किसी किसान की व्यक्तिगत आय में बढ़ोतरी होने से रही। दुनिया में भी कहीं और ऐसा नहीं हो पाया। ओईसीडी का अध्ययन इस तथ्य पर मुहर लगता है। यह वही है, जिसे आम बोलचाल की भाषा में 'वाया बठिंडा' कहते हैं अर्थात् काम या उपाय व्यर्थ घुमा-फिराकर करना।

क्यों नहीं हम कृषि आय में बढ़ोतरी के उपाय, इसमें प्रयुक्त अवयवों अथवा तकनीक के आपूर्तिकर्ताओं के माध्यम से करने के बजाय सीधी राह से करते? अनेकानेक अध्ययन दर्शाते हैं कि कैसे लगभग सारा मुनाफा आपूर्तिकर्ताओं की जेबों में चला जाता है और किसान वहीं का वहीं यानी सबसे निचले पायदान पर रह जाता है। यहां तक कि आपूर्ति शृंखला के मामले में भी, अंतिम छोर पर हुए खुदरा मुनाफे में किसान का हिस्सा महज 5-10 फीसदी या इससे कम रहता है। यूके में हुआ हालिया अध्ययन कहता है कि जहां स्ट्रॉबेरी और रसभरी के विपणन से खुदरा मुनाफा 2021 में बढ़कर 21 पेंस हो गया।

नवनिर्माण का जरिया बने सामाजिक न्याय

उमेश चतुर्वेदी

भारतीय समाज और राजनीति के लिए जाति एक ऐसा तत्व है, जिस पर सबसे ज्यादा विमर्श और वितंडा- दोनों होते रहे हैं। जाति को लेकर इन दिनों राजनीतिक परिधि में जो कुछ भी हो रहा है, उसे विमर्श तो कतई नहीं कहा जा सकता, बल्कि वह वितंडा है। मोदी की अगुआई वाले एनडीए को हर मुमकिन मोर्चे पर चुनौती देने की कोशिश में जुटा विपक्षी खेमा जहां जाति जनगणना की रट पर लगातार कायम है, वहीं केंद्र सरकार लगातार इसे सामाजिक स्वास्थ्य के लिए आसन्न खतरा मानते हुए इसे टालती रही है। इसी बीच संसद में भाजपा के नेता अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी की जाति पूछ ली। इसके बाद न सिर्फ कांग्रेस, बल्कि अखिलेश यादव का पूरा सियासी कुनबा इस सवाल पर क्षुब्ध है।

जाति व्यवस्था को सामाजिक कोढ़ बताने वालों का मानना था कि अगर विकास और आधुनिकता आएगी तो जाति व्यवस्था अपने आप टूट जाएगी। गांधी मानते थे कि अछूतोद्धार के जरिए समाज में बराबरी का संदेश जाएगा। जबकि अंबेडकर मानते थे कि सामाजिक विकास यात्रा में पीछे छूट गए लोगों को आरक्षण देकर पहले सबल बनाया जाना चाहिए। वह तबका सबल होगा तो जाति व्यवस्था में बराबरी का भाव आएगा। जबकि लोहिया सोचते थे कि पिछड़ों को आर्थिक रूप से ताकतवर बनाकर आगे लाया जाए तो सामाजिक समानता का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। कुछ ऐसी ही सोच दीनदयाल उपाध्याय की भी रही। लेकिन बहुजन आंदोलन के अगुआ कांशीराम इससे आगे निकल गए। उनकी मान्यता रही कि पिछड़े और दलितों को सत्ता मिल जाए तो जाति टूट जाएगी। मोटे तौर पर चारों वैचारिकी के आधार पर देखें तो जाति सामाजिक रूप से टूटती तो नजर आ रही है, लेकिन जैसे-जैसे आरक्षण की राजनीति अंबेडकर की बुनियादी सोच से आगे बढ़ने लगी, राजनीतिक रूप से जातियां अपने-अपने दायरे में और मजबूत होती गईं। जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी की सोच बढ़ने लगी।

वोट बैंक की राजनीति ने इस प्रक्रिया को और बढ़ावा दिया। सत्ता के लिए बहुमत हासिल करने के लक्ष्य को लेकर लगातार सक्रिय राजनीति ने जातीय समूहों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश में उनकी मांगों को उछालना शुरू किया। हर राजनीतिक समूह अपने हिसाब से अपनी समर्थक जातियों की राजनीतिक मांगों को जायज ठहराने लगा। इस पूरी प्रक्रिया में सामाजिक रूप से जाति को तोड़ने की सोच पीछे छूटती चली गई। दिलचस्प यह है कि जब कोई जातीय समूह किसी खास राजनीतिक ताकत का साथ छोड़ने लगा तो उसके हक और अधिकारों की मांग उस राजनीतिक ताकत के लिए गौण होने लगी। भारतीय संविधान में दलितों और आदिवासी समूहों के लिए आरक्षण की व्यवस्था करते वक्त डॉ. अंबेडकर ने इसे अनंतकाल तक चलाने से चेताया था। संविधान में शुरुआती दस साल के लिए ही आरक्षण की व्यवस्था रखी गई थी। आरक्षण का लक्ष्य अब हर जातीय समूह का जीवन-मरण का उद्देश्य बन गया है। जाति जनगणना की मांग जातीय समूहों को राजनीतिक समूहों द्वारा संतुष्ट करने की कोशिश है कि वह उसके इस जीवन-मरण के लक्ष्य के साथ खड़े हैं।

अब चाहे गांधी रहे हों या अंबेडकर या फिर लोहिया या दीनदयाल, उनके विमर्श की गहराई से पड़ताल करेंगे तो उनके विचारों और सिद्धांतों का बुनियादी मकसद सत्ता की राजनीति नहीं, सामाजिक समानता के जरिए भारतीय समाज का निर्माण लगता है। लेकिन उनके नाम पर राजनीति करने वाले आधुनिक समूहों को देखिए तो समाजवादी धारा की मौजूदा राजनीति की प्रभावी ताकतों के पास भारतीय समाज बनाने का कोई ठोस सामाजिक कार्यक्रम नहीं दिखता। उनकी राजनीति की गहराई से पड़ताल करें तो उनमें जातीय उन्माद बढ़ाने और फैलाने का भाव ज्यादा नजर आता है। कांग्रेस की राजनीति अतीत में ऐसी अतिवादी नहीं रही है, लेकिन अब उसकी भी राजनीति उसी राह पर चल रही है। साफ लगता है कि जाति की राजनीति और जातियों को उनके दायरे में और बुलंद बनाने की प्रक्रिया को राजनीतिक सहयोग देने वाले राजनीतिक समूहों का एकमात्र मकसद सामाजिक बराबरी लाना नहीं है, बल्कि इन जातीय समूहों को आधार बनाकर खुद सत्ता हासिल करना है।

खुलेआम जातीय राजनीति करने वालों को शायद यह पता नहीं है कि जिन सवर्ण जातियों के खिलाफ बाकी जातियों को गुस्से से भरने में वे मशगूल हैं, उन्हीं जातीय समूहों में कुछ ऐसी जातियां भी हैं, जिन्हें सवर्ण जातियों के बीच दोयम हैसियत रही है। ये मौजूदा जातीय विमर्श में पिछड़े नजर आते हैं। लेकिन सत्ता की राजनीति में मशगूल राजनीति को इस ओर ध्यान देने के लिए फुर्सत नहीं है। बेहतर होता कि इस नजरिए से भी राजनीति सोचती। सच तो यह है कि सामाजिक रूप से जब भी जाति व्यवस्था टूटने की ओर बढ़ने लगती है, राजनीति उसकी दरार को और बढ़ाने के लिए आगे आ जाती है। जाति पूछने को लेकर उठे राजनीतिक बवाल के बीच कुछ सवाल भी बनते हैं। राजनीति से उम्मीद की जाती है कि वह कम से कम जिस तरह वह खुद का व्यवहार करती रही है, वैसा व्यवहार वह दूसरों से भी करती है। उसके पास कोई विशेषाधिकार नहीं है कि वह सामने वाले को जाति के नाम पर जलील करे और अपनी जाति पर आ जाए तो चिढ़ जाए।

अमरूद

आंख और हार्ट को बनाता है हेल्दी

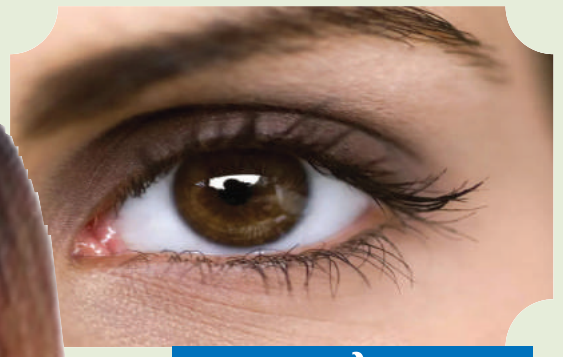

अमरूद का स्वाद खाने में बहुत ही अच्छा होता है और इसे ज्यादातर लोग खाना भी पसंद करते है। अमरूद में विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। अमरूद हमारें इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करता है। अमरूद में संतरे के मुकाबले विटामिन सी की मात्रा अधिक पाई जाती है। ये सेहत के अलावा त्वचा के लिए भी फायदेमंद होता है। अमरूद की कई वेरायटीज हमारे देश में पायी जाती हैं। गुलाबी, लाल और पीले अमरूदों के अलावा लोग देसी सफेद अमरूद के स्वाद को भी खूब पसंद करते हैं। अमरूद आंखों की रोशनी में सुधार करता है क्योंकि अमरूद में विटामिन ए भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जो आंखों के लिए जरुरी तत्व माना जाता है। अमरूद मोतियाबिंद की समस्या को भी कम करता है।

कब्ज से राहत

अमरूद हमारे पाचन को ठीक करता है क्योंकि अमरूद में फाइबर की मात्रा अधिक होती है। अगर आपको भी पाचन की समस्या है तो आपको अपनी डाइट में अमरूद को ज़रुर लेना चाहिए। इससे आपको पाचन संबंधित समस्या में मदद मिलेगी।

गर्भवती महिलाओं के लिए फायदेमंद

अमरूद गर्भवती महिलाओं के लिए फायदेमंद माना जाता है क्योंकि इसमें विटामिन बी की मात्रा अधिक होती है जो गर्भवती महिलाओं को स्वस्थ रखने में मदद करता है। अमरूद गर्भ में पल रहे बच्चे के तंत्रिका तंत्र को भी विकसित करने में मदद कर सकता है।

डायबिटीज में लाभदायक

अगर आप एक डायबिटीज के मरीज हैं तो आपको अमरूद का सेवन जरुर करना चाहिए। क्योंकि अमरूद में फाइबर पर्याप्त मात्रा मे होता है जो ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी कम होता है इसीलिए, अमरूद रक्त में शर्करा के स्तर को भी कंट्रोल करने में मदद करता है। इसके अलावा अमरूद के पत्ते का अर्क का सेवन से भी डायबिटीज को कम करने में मदद मिलती है। यह हाइपरग्लाइसेमिया, हाइपरिन्सुलिनमिया, इंसुलिन प्रतिरोध और हाइपरलिपिडिमिया में सुधार करने में भी बहुत लाभकारी साबित हो सकता है।

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करे

यह फल हाई ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल करता है। जिन लोगो को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या होती है उनको अपनी डाइट में अमरूद को शामिल करना चाहिए। अमरूद में पाया जाने वाला सोडियम और पोटैशियम हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है।

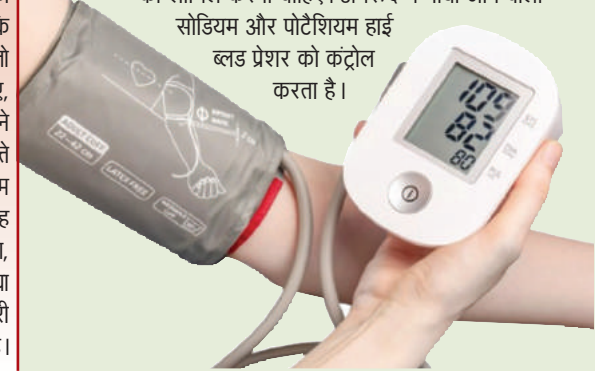

हंसना मना है

टीटू - स्टेशन जाने का कितना लोगे? रिक्शावाला - 50, टीटू- 20 ले लो... रिक्शावाला - 20 में कौन ले जाएगा? टीटू- तुम पीछे बैठो हम ले जाएंगे।

पति- पत्नी का झगड़ा हो रहा था तो पति बोलता है-पति- तुम ब्यूटी पार्लर में 5000 का कबाड़ा करके आती हो उसका क्या? पत्नी- वो तो मैं तुम्हें सुंदर दिखूं इसलिए। पति- पगली तो मैं भी तो इसलिए पीता हूं कि तू मुझे सुंदर लगे।

पत्नी- आपने कुछ सुना... पति- क्या...? पत्नी- जिन पंडित जी ने अपनी शादी करवाई थी आज वो मर गए, पति- कभी न कभी तो उसे अपने कर्मों का फल मिलना ही था...

गोलू- भाई मुझे हाथ देखना आता है... भोलू- अच्छा मेरा देख जरा... गोलू- तुम्हारी हस्तरेखा बताती है कि तुम्हारे घर के नीचे बहुत धन है, भोलू- ठीक कहा आपने, मेरे घर के नीचे बैंक की ब्रांच है!

बहन को रोता देखकर भाई- क्यों रो रही हो? बहन- मेरे नंबर बहुत कम हैं। भाई- कितने नंबर आए हैं? बहन- केवल 90 प्रतिशत, भाई- बहन रहम कर, इतने में तो हम जैसे दो लड़के पास हो जाते हैं...

कहानी | हार से क्रोध का कनेक्शन

एक बार शंकराचार्य और मंडन मिश्र के बीच सोलह दिन तक लगातार शास्त्रार्थ चला। शास्त्रार्थ की निर्णायक थीं मंडन मिश्र की धर्म पत्नी देवी भारती। हार-जीत का निर्णय होना बाकी था, इसी बीच देवी भारती को किसी आवश्यक कार्य से कुछ समय के लिये बाहर जाना पड़ गया। लेकिन जाने से पहले देवी भारती नें दोनों ही विद्वानों के गले में एक-एक फूल माला डालते हुए कहा, यें दोनो मालाएं मेरी अनुपस्थिति में आपके हार और जीत का फैसला करेंगी। कुछ देर बाद देवी भारती अपना कार्य पूरा करके लौट आई। उन्होंने अपनी निर्णायक नजरों से शंकराचार्य और मंडन मिश्र को बारी- बारी से देखा और अपना निर्णय सुना दिया। उनके फैसले के अनुसार आदि शंकराचार्य विजयी घोषित किये गये और उनके पति मंडन मिश्र की पराजय हुई थी। सभी लोग ये देखकर हैरान हो गये कि बिना किसी आधार के इस विदुषी ने अपने पति को ही पराजित करार दे दिया। एक विद्वान नें देवी भारती से नम्रतापूर्वक जिज्ञासा की- हे ! देवी आप तो शास्त्रार्थ के मध्य ही चली गई थीं फिर वापस लौटते ही आपनें ऐसा फैसला कैसे दे दिया? देवी भारती ने मुस्कुराकर जवाब दिया - जब भी कोई विद्वान शास्त्रार्थ में पराजित होने लगता है, और उसे जब हार की झलक दिखने लगती है तो इस वजह से वह क्रोधित हो उठता है और मेरे पति के गले की माला उनके क्रोध की ताप से सूख चुकी है जबकि शंकराचार्य जी की माला के फूल अभी भी पहले की भांति ताजे हैं। इससे ज्ञात होता है कि शंकराचार्य की विजय हुई है। विदुषी देवी भारती का फैसला सुनकर सभी दंग रह गये, सबने उनकी काफी प्रशंसा की। क्रोध मनुष्य की वह अवस्था है जो जीत के नजदीक पहुंचकर हार का नया रास्ता खोल देता है। क्रोध न सिर्फ हार का दरवाजा खोलता है, बल्कि रिश्तों में दरार का कारण भी बनता है। इसलिये कभी भी क्रोध को खुद पर हावी ना होने दें। कोध्र से भ्रम पैदा होता है, भ्रम से बुद्धि व्यग्र होती है, जब बुद्धि व्यग्र होती है तब तर्क नष्ट हो जाता है, जब तर्क नष्ट होता है, तब व्यक्ति का पतन हो जाता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य हो जाने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश लाभदायक रहेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी।

वृषभ व्यापार ठीक चलेगा। आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा।

मिथुन नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। लंबी यात्रा हो सकती है।

कर्क व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम न लें।

सिंह राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें। नौकरी में चैन रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी।

कन्या व्यापार ठीक चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें।

तुला राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा कार्य करने की योजना बन सकती है।

वृश्चिक प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग हैं। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

धनु बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है।

मकर आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है।

कुम्भ कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

मीन नए मित्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विवेक का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी। मित्रों के सहयोग से किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा।

सुनिधि चौहान ने खोली म्यूजिक इंडस्ट्री के काले सच की पोल

कमली और 'क्रेजी किया रे' से लेकर 'सामी-सामी' तक 2000 से ज्यादा गानों में अपनी आवाज देने वालीं सिंगर सुनिधि चौहान, हिंदी म्यूजिक इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन प्लेबैक सिंगर्स में से एक हैं सुनिधि चौहान। सुनिधि ने इंडस्ट्री के और भी कई टैलेंटेड सिंगर्स के साथ काम किया है। हाल ही में उन्होंने सिंगिंग इंडस्ट्री में ऑटो-ट्यून के इस्तेमाल से लेकर रियलिटी शोज के सच तक के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने रियेलिटी शोज को लेकर एक ऐसा सच बताया, जो किसी को भी हैरान कर सकता है।

सुनिधि चौहान म्यूजिक इंडस्ट्री की टॉप सिंगर्स में से हैं, जिन्होंने इंडस्ट्री को एक-दो नहीं कई हिट सॉन्ग दिए हैं। उन्होंने फिल्मों में कई गाने गाए हैं और साथ ही कई रियेलिटी शोज में भी बतौर जज नजर आ चुकी हैं। अब इन सिंगिंग रियलिटी शोज को लेकर सुनिधि चौहान ने वो बात की, जिसको कहने की हिम्मत इंडस्ट्री से जुड़े लोग नहीं कर पाते।

सुनिधि ने राज शमानी के पॉडकास्ट में रियेलिटी शोज को लेकर खुलकर चर्चा की। दरअसल, रियलिटी शोज पर पिछले कुछ सालों से आरोप लगते आ रहे हैं कि अब ये शो स्क्रिप्टेड होते हैं और इनके विजेता पहले से ही फिक्स्ड होते हैं। शोज पर लगते आ रहे इन्हीं आरोपों को लेकर अब सुनिधि चौहान ने खुलकर बात की, जो पहले खुद भी चर्चित सिंगिंग रियलिटी शो की जज रह चुकी हैं।

सुनिधि से जब होस्ट ने कहा कि क्या आपको लगता है कि अब रियलिटी शोज अब रियल नहीं होते तो इस पर हामी भरते हुए सुनिधि कहती हैं- 'रियलिटी शो अब बहुत बदल गए हैं, लेकिन पहले ऐसा नहीं था। अगर आपको याद होगा तो पहले दो सीजन में कोई स्टोरी नहीं होती थी। मस्तियां होती थीं, कोई खराब सिंगर आता था, जिसे हम कहते थे आप अगले सीजन में आना। वो सब स्क्रिप्टेड होता था। लेकिन, जो आप वहां सुन रहे हो वही टीवी पर जाता था। वो रियल होता था।'

सब पहले से होता है स्क्रिप्टेड

सुनिधि आगे कहती हैं- 'लेकिन, अब जो आप टीवी पर देख रहे होते हैं वो सब स्क्रिप्टेड होता है। वह ये निश्चित करते हैं कि उनके शो में कोई भी बुरा सिंगर ना हो। फनी लगता है ना कि इसने इतना अच्छा गाया तो फिर ये एलिमिनेट क्यों हो गया। क्योंकि, इस पर तो आप खड़े भी हो गए थे, आप रो भी पड़े। आपने कहा कि आपने ओरिजनल से भी अच्छा गाया, तो फिर वो अगले एपिसोड में एलिमिनेट कैसे हो गया? क्योंकि, ऑडियंस को आपके शब्दों पर बहुत भरोसा होता है। वह कभी-कभी ऊपर-नीचे हो सकता है, लेकिन उन्हें लगता है कि अगर ये बोल रहे हैं तो सही होगा। फिर जब ऐसे लोगों को निकाल दिया जाता है तो ऑडियंस भी शॉक हो जाती है कि हमने तो इसे वोट किया था, फिर ये कैसे चला गया।'

जान्हवी के अभिनय के कायल हुए अर्जुन कपूर

जान्हवी कपूर की फिल्म उलझ ने सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। इस फिल्म की तारीफ कई सितारों ने की है। अब इस लिस्ट में अभिनेत्री के भाई अर्जुन कपूर का नाम भी शामिल हो गया है। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म की जमकर तारीफ की है। उन्होंने फिल्म को लेकर एक लंबा नोट लिखा और लोगों से कहा कि इसे जरूर देखना चाहिए।

अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अर्जुन कपूर ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, उलझ एक शानदार जासूसी ड्रामा है, जिसमें फिल्म के हर किरदार ने बेहतरीन अदाकारी दिखाई है। यह एक मनोरंजक फिल्म है, जो बेहतरीन ढंग बनाई गई है। जान्हवी कपूर, आप अलग-अलग कंटेंट और जटिल किरदारों का चयन करती हैं। आप पर गर्व है। जासूसी सही तरीके से की गई है। शानदार अभिनय और अच्छे सिनेमा की सराहना करने वाले हर व्यक्ति को यह फिल्म जरूर देखनी चाहिए।

जान्हवी कपूर और गुलशन देवैया की यह थ्रिलर फिल्म 2 अगस्त को रिलीज हुई है। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को उम्मीद के मुताबिक ओपनिंग नहीं मिल सकी है। पहले दिन फिल्म की शुरुआत धीमी रही। भारत में केवल एक करोड़ 10 लाख रुपये कमाए हैं। माना जा रहा है कि शनिवार और रविवार का दिन फिल्म के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। ये दोनों दिन ही फिल्म का भविष्य तय करने में निर्णायक साबित होंगे।वहीं, फिल्म की रिलीज के बाद गुलशन ने अपने एक्स हैंडल पर दर्शकों से फिल्म को वर्ड ऑफ माउथ के जरिए प्रमोट करने का आग्रह किया। वर्कफ्रंट की बात करें तो अर्जुन कपूर जल्द ही सिंघम अगेन में नजर आने वाले हैं। फिल्म में वह नकारात्मक किरदार में हैं। कुछ समय पहले इस फिल्म से उनकी झलक सामने आई थी, जिसमें वह खूंखार लुक में नजर आए थे। फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और करीना कपूर खान जैसे बड़े सितारे भी हैं। इसे दिवाली के मौके पर रिलीज करने की तैयारी है।

बॉलीवुड | मन की बात

भारतीय फिल्ममेकर्स दर्शकों को बनाते हैं बेवकूफ : राम गोपाल

मशहूर फिल्मकार राम गोपाल वर्मा किसी भी मुद्दे पर अपनी राय रखने से पीछे नहीं हटते। इस कारण कई बार वह ट्रोलर्स के निशाने पर भी आ जाती हैं। इस बार उन्होंने बॉलीवुड के फिल्म निर्माताओं को लेकर कुछ ऐसा कहा है कि एक बार फिर से राम गोपाल वर्मा सुर्खियों में आ गए हैं। उन्होंने कहा कि हिन्दी सिनेमा के निर्माता अपने दर्शकों को बेवकूफ समझते हैं। फिल्मकार का कहना है कि निर्माताओं ने इसी वजह से हॉलीवुड की ओपेनहाइमर जैसी फिल्म ठग्स ऑफ हिन्दोस्तान बनाई। हाल ही में गलाटा प्लस को दिए एक इंटरव्यू में राम गोपाल वर्मा से जब पूछा गया कि हॉलीवुड के निर्माता 70-80 साल की उम्र में भी कैसे इतनी शानदार फिल्में बना लेते हैं? वे लोग कैसे ऑडियंस के बदलते टेस्ट के बावजूद फिल्में हिट करवा लेते हैं? इसका जवाब देते हुए वर्मा ने कहा, अगर क्लिंट ईस्टवुड और स्कॉर्सेसी के बारे में बात करेंगे तो ये लोग ऐसे टॉपिक्स को चुनते हैं, जिन्हें वह बहुत खूबसूरती से पेश करते हैं। वह अपनी फिल्मों में सिर्फ अपना एक नजरिया पर्दे पर उतारते हैं। राम गोपाल वर्मा ने अपनी बात पूरी करते हुए आगे कहा, हम उन लोगों के जैसी फिल्में ही नहीं बनाते हैं। हम लोगों ने दर्शकों को बेवकूफ समझा हुआ है। उन्होंने आगे कहा, हम जिस तरह का सिनेमा दर्शकों को सामने पेश कर रहे हैं, उसे देखकर तो यही लगता है। हालांकि, हॉलीवुड में ऐसा कुछ भी नहीं होता है। वहां के निर्माता अपने दर्शकों को समझते हैं और उन्होंने अपना बेंचमार्क बहुत हाई रखा हुआ है। जब वहां के बड़े-बड़े सितारे मिलते हैं तो ओपेनहाइमर जैसी फिल्में बनती है और जब यहां बड़े-बड़े कलाकार मिलते हैं तो ठग्स ऑफ हिन्दोस्तान जैसी फिल्म बनती है।

40 सालों से दुनिया की सबसे लंबी लटों की देखभाल कर रही है महिला

दुनिया में लंबे बाल कितने लंबे हो सकते हैं? 10-15 फुट लंबे? जी नहीं इससे भी ज्यादा एक महिला ने अपने बहुत ही लंबे बालों को लटों का रूप दे रखा है। दुनिया की सबसे लंबी लटों वाली महिला से मिलिए, जिन्हें वह अपना बेबी कहती हैं और हर रात अपने बच्चों की तरह चूमती और गले लगाती हैं। 62 वर्षीय आशा मंडेला 40 से अधिक सालों से अपने बाल बढ़ा रही हैं और जोर देकर कहती हैं कि वह कभी भी उन्हें नहीं काटेंगी। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक के बाल 19 फीट और 6.5 इंच की शानदार लंबाई तक फैले हुए हैं। आशा अपने बालों को फर्श पर घिसटने से रोकने के लिए इधर-उधर घूमते समय एक बोरी में बांध लेती हैं, और अपने बालों के भारी वजन के कारण दो घंटे से अधिक समय तक उन्हें ऊपर नहीं रख पाती हैं। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड यूट्यूब चैनल पर बोलते हुए, उन्होंने कहा, मुझे ड्रेड लॉक्स शब्द पसंद नहीं है क्योंकि मुझे नहीं लगता कि मेरे बालों में कोई ड्रेड है। मैं अपने बालों को अपने प्यार का शाही मुकुट या अपना कोबरा कहती हूं। आशा ने कहा कि लोग अक्सर मानते हैं कि उनके बाल गंदे या अस्वस्थ हैं-लेकिन वह जोर देकर कहती हैं कि यह बिल्कुल विपरीत है। उसने बताया कि उसने छोटे बाल इसलिए चुने क्योंकि वह जानती थी कि वह अपनी जड़ों को आसानी से धोना चाहती थी। साथ ही, वह लोगों के यह कहे जाने वाले कलंक के साथ घूमना नहीं चाहती थी कि यह साफ नहीं है। अमेरिका में रहने वाली आशा अपने बालों की देखभाल में बहुत समय बिताती है। आशा ने स्वीकार किया कि उसके बाल बढ़ने की प्रक्रिया एक आध्यात्मिक यात्रा के रूप में शुरू हुई। उन्होंने कमेंट किया, मुझे सपने आने लगे या जिसे अन्य लोग दृष्टि कह सकते हैं, जिसमें विशाल कोबरा मेरे सामने प्रकट होता और मुझसे बात करना शुरू कर देता, मुझे बताता कि मैं ही चुनी गई हूं। मैं अपने पति इमैनुएल से मिली, जो नैरोबी, केन्या से एक पेशेवर लॉक स्टाइलिस्ट हैं, और एक बार जब हम मिले और एक हो गए, तो वह मेरे कोबरा ट्रेनर बन गए। आशा ने खुलासा किया कि वह जल्द ही अपने बाल कटवाने की कोई योजना नहीं बना रही हैं। उन्होंने कहा, ऐसा कभी नहीं होने वाला है।

अजब-गजब | यहां हुआ अजीबो-गरीब चमत्कार

सिर कटने के बाद भी 18 महीने जिंदा रहा मुर्गा

क्या कोई जीव बिना सिर के जिंदा रह सकता है। आप कहेंगे कि बिना सिर के कोई कैसे जिंदा रह सकता है। लेकिन ऐसा हो चुका है। एक मुर्गा सिर कटने के बाद भी कई महीनों तक जिंदा रहा था। यह विचित्र घटना कई साल पहले हुई थी। अमरीका में वर्ष 1945 में एक मुर्गा बिना सिर के भी कई महीनों तक जिंदा रहा था। उस मुर्गे की चर्चा पूरी दुनिया में होने लगी थी। इसकी बदौलत उस मुर्गे का मालिक भी मालामाल हो गया था। इतना ही नहीं अमरीका के एक शहर में उस मुर्गे की मूर्ति भी लगी है।

दरअसल, अमरीका के कोलोराडो के फ्रूटा में लॉयड ऑलसेन नाम का एक किसान अपनी पत्नी के साथ रहता है। लॉयड ऑलसेन मुर्गी पालन का व्यवसाय करता था। 10 सितंबर 1945 को लॉयड ऑलसेन एक खेत में अपनी पत्नी के साथ मिलकर मुर्गों को काट रहा था, जिससे वो उन्हें बाजार में बेच सके। उस दिन किसान ने करीब 40-50 मुर्गे काटे। लेकिन जब वह एक मुर्गे को काट रहा था तो ऐसा चमत्कार हुआ कि वह दुनिया में फेमस हो गया। किसान ने जैसे ही उस मुर्गे का सिर काटा, वो मरने की जगह इधर उधर भागने लगा। वह सिर कटने के बाद भी मरा नहीं। ऐसे में किसान ने उस मुर्गे को रात में एक डिब्बे में रख दिया। इसके बाद अगले दिन किसान ने ने उसे

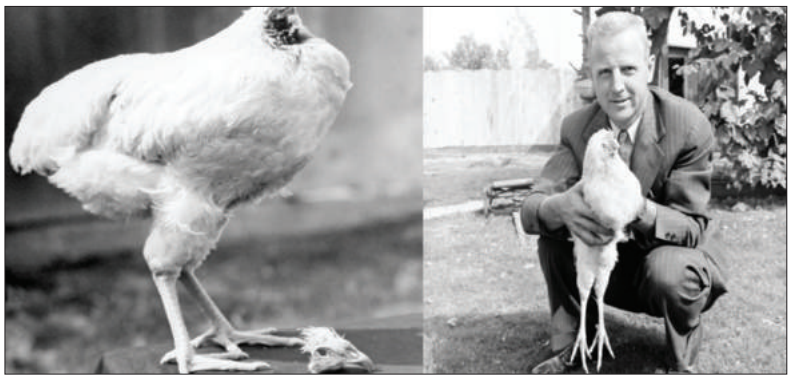

देखा तो वह हैरान रह गया क्योंकि वो मुर्गा जिंदा था। उन्होंने इस मुर्गे का नाम माइक रखा। धीरे-धीरे उसने दूसरों को बताना शुरू किया कि उसके पास एक ऐसा मुर्गा जो बिना सिर के भी जिंदा है। धीरे-धीरे ये बात फैली और मुर्गे की प्रदर्शनी अमेरिका भर में होने लगी।

किसान अपने उस बिना सिर वाले मुर्गे को लेकर जगह-जगह जाने लगे और उनकी कमाई भी होती गई। वह मुर्गे के खाने की नली में सीधे लिक्विड खाना डालते थे। इसके अलावा गले से म्यूकस को सीरिंज के सहारे निकालना पड़ता था। 17 मार्च 1947 को वो और उनकी पत्नी टूर पर थे और एरिजोना के होटल में सो रहे थे जब उन्हें मुर्गे की आवाज आई। उसका गला म्यूकस से जकड़ रहा था और वो किसी भी तरह से उसे बचाने की कोशिश करने लगे मगर उस वक्त उनके पास सीरिंज नहीं थी। तब मुर्गे की मौत हो गई मगर वो पहले से ही काफी रुपये कमा चुका था।

दरअसल, मुर्गे का मुख्य दिमाग उसकी आंखों के पीछे, यानी खोपड़ी के पिछले भाग में होता है। ऐसे में जब लॉयड ने मुर्गे का सिर काटा तो उसका पिछला हिस्सा शरीर से जुड़ा रह गया। इस तरह उसका दिमाग बाकी शरीर को सिग्नल देता रहा। लेकिन ये एक तरह का चमत्कार ही है कि माइक इतने महीनों तक जिंदा रहा। उसका एक पुतला फूटा शहर में भी लगा हुआ है।

अब बिहार के घरों को मजबूत करेगा अंबुजा सीमेंट्स

अडानी समूह करेगा 1600 करोड़ रुपए का निवेश

» वारिसली गंज में स्थापित होगी 6 एमटीपीए की क्षमता वाली सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। अडानी पोर्टफोलियो के हिस्सा अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड ने बिहार में कदम रखा है। कंपनी ने वहां पर अपने पहले उद्यम की घोषणा की है। ये सीमेंट उद्योग की किसी भी कंपनी की ओर से राज्य में किया गया अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। वारिसलीगंज सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट, 6 एमटीपीएकी कुल क्षमता वाली यूनिट है, जिसे लगभग 1600 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित किया जाएगा। प्रोजेक्ट को तीन फेज में लागू किया जाएगा, जिसमें 2.4 एमटीपीएका पहला चरण 1,100 करोड़ रुपये के निवेश से दिसंबर 2025 तक शुरु करने का लक्ष्य है।

भविष्य के विस्तार के लिए भूमि का पर्याप्त व्यवस्था की गयी है, जिसे बहुत कम कैपिटल एक्सपेंडिचर पर निश्चित समय में चालू किया जाएगा। बिहार के नवादा जिले के वारिसलीगंज तहसील के मोसामा गांव में स्थित ये यूनिट सड़क और रेल से जुड़ा हुआ है। यहांसे वारिसलीगंज रेलवे स्टेशन 1 किमी दूर है और एसएच-83 ये साइट, सिर्फ 500 मीटर की दूरी पर है। यह प्रोजेक्ट बिहार की बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरतों को पूरा करेगा, जो हाल के केन्द्रीय बजट में बताई गई प्राथमिकताओं के अनुरूप है। इस सीमेंट यूनिट के लिए बीआईएडीएने 67.90 एकड़ भूमि आवंटित की है, जिसके लिए साइट पर काम करने के लिए पर्यावरणीय मंजूरी मिल गई है। यह यूनिट दिसंबर 2025 तक चालू होने की संभावना है। वारिसलीगंज के अलावा, अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड को मुजफ्फरपुर के मोतीपुर के महबल औद्योगिक क्षेत्र में एक और सीमेंट यूनिट के लिए बीआईएडीएकी ओर से 26.60 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। इस प्रोजेक्ट के लिए पर्यावरणीय मंजूरी प्रक्रियाधीन है।

बुनियादी ढांचे पर तेजी से बढ़ेगा सीमेंट उद्योग : प्रणव

इस मौके परअदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड केडायरेक्टरऔर एमडी (कृषि, तेल और गैस) प्रणव अडानी ने कहा, यह निवेश राज्य सरकार के विकास कार्यक्रमों और हमारी विकास योजनाओं के अनुरूप है। सरकार के बुनियादी ढांचे पर जोर देने के कारण सीमेंट उद्योग में अच्छी मात्रा में उत्पादन हो रहा है और अंबुजा सीमेंट्स देश में सतत बुनियादी ढांचे के विकास का समर्थन करने के लिए अच्छी स्थिति में है। हम इस और भविष्य की परियोजनाओं पर राज्य सरकार, अधिकारियों और स्थानीय समुदायों के साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हैं। सभी परमिटों की फास्ट ट्रैकिंग और प्रावधान में राज्य सरकार के समर्थन ने कम समय में इस ऐतिहासिक निवेश को संभव बनाया है।

बिहार के विकास को मिलेगा बढ़ावा : नीतीश

बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बीआईएडीए) द्वारा आयोजित शिलान्यास समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, अडानी समूह का यह निवेश बिहार के विकास को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। ये प्रोजेक्ट बेसिक इंफ्रास्ट्रक्च को बढ़ावा देने, राजस्व में प्रति वर्ष लगभग 250 करोड़ रुपये का योगदान देगा साथ ही 250 प्रत्यक्ष और 1000 अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की भी संभावना है। इस कार्यक्रम मेंबिहार उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा जैसे कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

67.90 एकड़ भूमि की गई आवंटित

खाद्य विभाग कर्मियों ने सरकार की नीतियों के खिलाफ जताई नाराजगी

» यूपी फूड एंड सिविल सप्लाइज इंसपेक्टर्स व आफिसर्स एसोसिएशन की बैठक संपन्न

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी फूड एंड सिविल सप्लाइज इंसपेक्टर्स व आफिसर्स एसोसिएशन की बैठक संपन्न हो गई। इस बैठक में प्रदेश भर के पूर्ति निरीक्षक, विपणन निरीक्षक, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, क्षेत्रीय विपणन अधिकारी समेत 700 से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया। इस बैठक में राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ नाराजगी जताई गई। प्रतिभागियों ने कहा अपनी मांगों को कई बार शासन के पास भेजा गया पर विचार नहीं किया गया वहीं कई बार उच्चाधिकारियों से बातचीत के लिए समय मांगा गया पर उस पर भी अनदेखी की गई।

एसोसिएशन के अधिकारियों ने बताया कि हरदोई समेत कई जिलों में विभाग के कर्मियों के खिलाफ कई उत्पीड़न के मामले सामने आएं हैं जिसमें झूठे एफआईआर लिखे गए उन्हें हटाने के लिए शासन को पत्र लिखा जाएगा। साथ संघ के लोगों ने स्टाफ बढ़ाने, वेतन विसंगति दूर करने जैसे मांगों पर भी विचार किया। संघ ने अपनी मांगों को मनवाने के लिए लाकतात्रिक तरीके काली पट्टी बांधकर विरोध करने का फैसला किया। इस अवसर पर अध्यक्ष अयोध्या प्रसाद सिंह, प्रांतीय महामंत्री टीएन चौरसिया समेत कई लोग मौजूद रहे।

विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियरों को किया गया प्रशिक्षित

» बेहतर उपभोक्ता सेवा एवं त्वरित कार्य निष्पादन का दिया गया प्रशिक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन (उत्तर प्रदेश) के केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर गत 3 अगस्त को संगठन कार्यालय एकता सदन में जूनियर इंजीनियर एवं प्रोन्नत अभियंता सदस्यों की बैठक की गई। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन की ओर से प्रदेश व्यापी प्रशिक्षण एवं संपर्क संवाद कार्यक्रम के तहत संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष इं. जी बी पटेल, मार्गदर्शक विशेष आमंत्रित सदस्य इं. ए के सिंह ने प्रतिभाग किया।

बैठक में जूनियर इंजीनियरों को नई तकनीक ईआरपी एवं मास्टर डाटा का एक्सेल के माध्यम से डाटा एनालिसिस करके हाई लॉस को कम कर अधिक राजस्व वसूली एवं 24गुणा7 विद्युत आपूर्ति के साथ साथ विभागीय कार्यों का दक्षता पूर्वक निष्पादन तथा बेहतर उपभोक्ता सेवा के लिए प्रशिक्षित किया गया। संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष इं. जी वी पटेल ने बताया कि तकनीकी ज्ञान का संवर्धन द्वारा विभाग की बेहतरी एवं बेहतर उपभोक्ता सेवा संगठन के उद्देश्यों में सर्वोपरि है। प्रदेश सरकार एवम् ऊर्जा प्रबन्धन की मंशा के अनुरुप निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, विद्युत चोरी रोक कर शत प्रतिशत राजस्व वसूली करने, उपभोक्ताओं को सही बिल सममय उपलब्ध कराए जाने के लिए संगठन का प्रत्येक सदस्य संकल्पित होकर कार्य कर रहे है।

पूरे नहीं होंगे तेजस्वी के मंसूबे : कुशवाहा

» सीएम नीतीश की नीतियों से प्रभावित हो रहे लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से प्रभावित होकर लोग जदयू में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि तेजस्वी और तमाम विरोधी कह रहे थे पार्टी टूट जायेगी। लेकिन, 2024 के लोक सभा चुनाव ने सब की जुबां पर ताला लगा दिया। सीएम नीतीश कुमार की पार्टी में झारखंड के दिग्गज नेता सरयू राय शामिल हुए। इतना ही नहीं राष्ट्रीय जनता दल के अजय राय, गौतम राज, लालबाबू महतो, अरशद अली, मो. सरवर समेत कई नेताओं ने भी जनता दल यूनाईटेड की सदस्यता ली।

वहीं मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि बिहार में जाति आधरित गणना, विशेष राज्य किनकी सोच है, यह पूरा बिहार जानता है। अब बिहार में श्रेय लेने की होड़ लगी हुई है। कुछ लोग नौकरी देने का श्रेय खुद को दे रहे हैं। लेकिन, जनता सच्चाई जानती है। डबल इंजन सरकार ने साबित किया कैसे केंद्र बिहार को विशेष मदद कर रहा है। अब हमारे विपक्ष के नेता छूटी हुई ट्रेन को पकड़ना चाहते हैं। वह लोग श्रेय लेने की होड़ में दिवालिया हो गए हैं। वहीं आरक्षण के सवाल पर उन्होंने कहा कि आरक्षण में आरक्षण को लेकर कोर्ट का अभी तक पूरा फ़ैसला नही आया है। फैसला आने पर सरकार देखेगी।

बिहार में डोमिसाइल नीति जरूरी : प्रशांत किशोर

नसुराज के संस्थापक और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार के लोग रोजी-रोटी के लिए दूसरे प्रदेशों में पलायन करने को मजबूर हैं और यहां मौजूदा सरकार दूसरे प्रदेशों के लोगों को नौकरी दे कर बिहारियों को बुड़बक बना रही है।उ न्होंने कहा कि बिहार और देश की सरकारों ने बिहार को न सुधरने वाला राज्य समझकर बिहारियों को अपनी किस्मत पर रोने के लिए छोड़ दिया है। अब बिहारी युवाओं की जिद है जन सुराज और जन सुराज के माध्यम से बिहार को सुधारने की जिद पर युवा शक्ति अड़ गई है। बिहार के युवाओं में बड़ी बेरोज़गारी है और नौकरियां दूसरे प्रदेशों के लोग ले जा रहा है। बिहार में डोमिसाइल लागू किया जाना चाहिए ताकि बेरोजगारी का दंश झेल रहे बिहारी युवाओं को रोजगार मिल सके और पलायन कम हो सके।

भारतीय हॉकी टीम सेमीफाइनल में पहुंची

» लक्ष्य सेन से ब्रॉन्ज मेडल की आस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 के नौवें दिन यानी भारतीय खिलाड़ियों ने हॉकी, बैडमिंटन, शूटिंग, सेलिंग जैसे इवेंट्स में अपना दमखम दिखाया। हालांकि, जहां हॉकी में लोगों के चेहरों पर खुशी आई तो लवलीना और लक्ष्य सेन के हारने से वहीं चेहरे मायूस भी दिखे। लेकिन इस बीच लक्ष्य सेन से देशवासियों ने एक ब्रॉन्ज मेडल की आस भी लगाई है। सांसे रोक देने वाले ओलंपिक्स 2024 में भारत और ब्रिटेन के मुकाबले में भारतीय टीम का कमाल का प्रदर्शन रहा है।

इस दौरान भारतीय टीम ने टोक्यो ओलंपिक 2020 की कहानी दोहराई और एक बार फिर ग्रेट ब्रिटेन को भारत ने क्वार्टर फाइनल में परास्त कर सेमीफाइनल में एंट्री की है। वहीं भारत को ये जीत तब मिली जब वह 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही ही थी। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही भारत के अमित रोहिदास को रेड कार्ड मिल गया था जिसके कारण वह पूरे मैच से बाहर रहे। हालांकि, बैडमिंटन के पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल मुकाबले में लक्ष्य सेन डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसेन से हार मिली। जिसके बाद वो सेमीफाइनल में जाने से चूक गए। लेकिन फिलहाल, उनसे अभी भी ब्रॉन्ज मेडल की आस है। अब सोमवार यानी 5 अगस्त को मलेशिया के ली जी जिया से ब्रॉन्ज मेडल के लिए भिड़ेंगे।

लवलीना हारीं

टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीतने वाली लवलीना को पेरिस से खाली हाथ लौटना पड़ेगा। वह क्वार्टर फाइनल को पार नहीं कर पाईं और महिलाओं की 75 किलो भार वर्ग में चीन की ली कियेन ने लवलीना को तीनों राउंड में शिकस्त दी। कियेन ने लवलीना को 4-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

शूटिंग में निराशा

शूटिंग में अनीश भानवाला और विजयवीर सिद्धू ने भी निराश किया। दोनों ही शूटर पेरिस ओलंपिक के क्वालिफिकेशन राउंड में हारकर बाहर हो गए। ये दोनों ही 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल के पुरुष इवेंट में उतरे थे। इसके अलावा शूटिंग में ही महेश्वरी चौहान स्कीट इवेंट के फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं। फाइनल राउंड में औसत से कम अंक हासिल करने के कारण वह 14वें स्थान पर रहीं।

Notice

Notice is hereby given that our daughter, previously known as [Manu D/O Praveen Kumar Yadav, Mother Name - Sanjeeta Yadav, will now be known as Manu Yadav, Father Name- Praveen Kumar, Mother Name - Sangeeta Kumari. This change is effective immediately. For any official and legal purposes, please refer to her by her new name.

Sincerely- PraveenKumar, RS 2/349 Tikaitrai LDA Colony, Lucknow UP 226017, 9457209565

वक्फ बोर्ड की संपत्ति नियंत्रण विधेयक पर गरमाई सियासत

सपा, कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी ने की आपत्ति बीजेपी बोली राजनीति नहीं, चर्चा होनी चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर नियंत्रण के लिए विधेयक को लेकर पूरे देश में सियासी भूचाल आ गया है। ओवेसी, चंद्रशेखर से लेकर कई नेताओं ने इसके खिलाफ अपनी आवाज मुखर कर दी है। सपा, कांग्रेस व शिवसेना यूबीटी ने एनडी सरकार पर मुस्लिमों के अधिकारों का हनन बताते हुए बीजेपी को कटघरे में कर दिया है। वहीं कई मुस्लिम संघठनों ने सरकार से पूरी ईमानदारी से इस पर विचार करने को कहा है। उधर बीजेपी ने कहा राजनीति नहीं चर्चा हो।

गौरतलब है कि संसद का बजट सत्र जारी है. आज वक्फ बोर्ड संशोधन बिल समेत कई अहम विधेयक पटल पर रखे जाएंगे। विपक्ष और सत्तारूढ़ दलों के बीच बीते एक सप्ताह तक चली तीखी बहस के बाद आशंका पूरी है कि सोमवार को भी सदन में हंगामा मचेगा। लोकसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विनियोग विधेयक और वित्त विधेयक पेश करेंगी। नए संशोधनों का मकसद केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य बोर्डों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाना, जिला मजिस्ट्रेटों के साथ संपत्तियों की निगरानी के लिए उपाय करना और संपत्ति सर्वेक्षण में देरी को दूर करने जैसी बात शामिल है। इसके अलावा विपक्षी सदस्य राज्यसभा में कृषि और किसान कल्याण, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा और सहकारिता सहित कई मंत्रालयों के कामकाज पर चर्चा करने की योजना बना रहे हैं।

वक्फ बोर्ड की स्वायत्तता छीनना चाहती है सरकार : ओवैसी

एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने आरोप लगाया कि राजग सरकार वक्फ बोर्ड की स्वायत्तता छीनना चाहती है। एआईएमआईएम के नेता ने दावा किया कि भारतीय भाजपा शुरू से ही वक्फ बोर्ड और वक्फ संपत्तियों के खिलाफ रही है और उसने अपने हिंदुत्व एजेंडे के तहत वक्फ संपत्तियों तथा वक्फ बोर्ड को खत्म करने का प्रयास शुरू किया है। वह वक्फ संपत्ति के संचालन में हस्तक्षेप करना चाहती है। यह अपने आप में धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ है।'' सांसद ने कहा कि यदि वक्फ बोर्ड की स्थापना और संरचना में कोई संशोधन किया जाता है, तो ''प्रशासनिक अराजकता'' पैदा होगी और वक्फ बोर्ड अपनी स्वायत्तता खो देगा।

विफलता को छुपाने के लिए यह बिल लाया गया : प्रियंका चतुर्वेदी

शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि अपनी विफलता को छुपाने के लिए यह बिल लाया गया है। जब संसद में आएगा तो देखेंगे। संविधान के दायरे में चीज होनी चाहिए।

मुसलमानों को कमजोर करना मकसद : चंद्रशेखर

सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि केंद्र, उत्तर प्रदेश और भाजपा की तमाम राज्य सरकारें मुसलमानों की कितनी हितैषी हैं यह किसी से छिपा नहीं है, मैं अच्छी तरह जानता हूं कि आपका मकसद इन वर्गों को कमजोर करना है, ताकतवर करना नहीं।

वक्फ की गरिमा को ठेस न पहुंचे : डॉ. इमाम उमर

ऑल इंडिया इमाम ऑर्गेनाइजेशन के चीफ इमाम डॉ. इमाम उमरअहमद इलियासी ने बयान जारी किया है। इमाम डॉ. इमाम उमर अहमद इलियासी ने कहा, शोधन उस प्रक्रिया का हिस्सा है, जो समय-समय पर होती रहती है। वक्फ एक्ट में पहले भी संशोधन किए गए हैं, इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि वक्फ की गरिमा को ठेस न पहुंचे। संशोधन करना समय की मांग है और इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। इस पर चर्चा होनी चाहिए, जब पिछली सरकारों के दौरान संशोधन किए गए थे तो असदुद्दीन ओवैसी या अन्य विपक्षी नेताओं ने क्या कहा था? विपक्ष को हर चीज पर विरोध नहीं करना चाहिए, इस पर राजनीति नहीं बल्कि चर्चा होनी चाहिए।

यह एक अच्छा कदम है : आचार्य सत्येंद्र दास

श्री राम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या के मुख्य पुजारी, आचार्य सत्येंद्र दास जी महाराज ने सरकार द्वारा प्रस्तावित संशोधनों का स्वागत किया। उन्होंने कहा, यह एक अच्छा कदम है, वक्फ बोर्ड की संपत्ति में महिला का कोई हिस्सा नहीं है क्योंकि कोई भी महिला सदस्य वक्फ बोर्ड का हिस्सा नहीं है, अब वक्फ बोर्ड की संपत्ति में महिलाओं का हिस्सा होगा। अपने बयान में सत्येंद्र दास ने कहा कि वक्फ बोर्ड के स्वामित्व वाली संपत्ति कैसी है? वक्फ बोर्ड का यह संपत्ति किस आधार पर है और वक्फ बोर्ड की संपत्ति का मौद्रिक मूल्य क्या है? वक्फ बोर्ड की संपत्तियों की समीक्षा की जायेगी। विभिन्न क्षेत्रों में वक्फ बोर्ड की जमीन की जांच की जायेगी।

यूपी के विधायकों का प्रतिनिधिमंडल आज जाएगा यूएसए

पूर्वांचल का प्रतिनिधित्व करेंगे रमेश चन्द्र मिश्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जौनपुर के बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रमेश चंद्र मिश्र राज्य विधान मंडलों के अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन भाग लेने अमेरिका जाएंगे। वह 11 दिवसीय यात्रा पर वहां रहेंगे। इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के विधायक बाद अमेरिका में विभिन्न पहलुओं पर जानकारी लेते हुए अनेक कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

यह शिखर सम्मेलन यूएसए के केंटकी प्रांत के लुइसविले शहर में छह अगस्त से आठ अगस्त तक चलेगा। इसका आयोजन अमेरिका की अग्रणी संस्था एनसीएसएल और एनएलसी भारत के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है। श्री मिश्र के साथ उत्तर प्रदेश के छह अन्य विधायक भी जा रहे हैं। जिसमें राजेश चौधरी, राजीव सिंह बब्बू भैया, संजय शर्मा, धीरेंद्र सिंह, डा. सुरभि, प्रिंस सिंह शामिल है। पूर्वांचल से रमेश चंद्र मिश्र इकलौते विधायक हैं जो इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। 18 अगस्त को विधायक स्वदेश वापस होंगे।

मानसून का कहर जारी, गुजरात महाराष्ट्र के विभिन्न शहर जलमग्न

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मानसून का कहर देश के उप्र समेत कई राज्यों में देखने को मिल रहा है। गुजरात और महाराष्ट्र समेत देश के कई राज्यों में भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। उत्तर भारत के मैदानी व पहाड़ी राज्यों में बारिश का कहर जारी है। भारी भूस्खलन से जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

मौसम विभाग ने इन राज्यों में अभी भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। कई इलाकों में जलभराव होने के कारण लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। गुजरात के वलसाड में औरंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से इलाके में बाढ़ आ गई। नवसारी में भारी बारिश के कारण बिलिमोरा शहर जलमग्न हो गया। वहीं दूसरी तरफ, महाराष्ट्र का हाल भी कुछ ऐसा ही है। भारी बारिश के कारण महाराष्ट्र में पुणे के एकता नगर में जल-भराव की स्थिति पैदा हो गई। पूरा इलाका जलमग्न हो चुका है। लोगों को अपने घरों के बीतर ही रहने को मजबूर हैं। नासिक में लगातार बारिश के कारण गोदावरी नदी के नीचे कई मंदिर जलमग्न हो गए।

वायनाड में तबाही के सात दिन बाद खुले स्कूल, अब भी सैकड़ों लोग लापता

वायनाड लैंड स्लाइड आने के बाद से ही वहा लगातार जिंदगियों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। वहीं प्रशासन ने स्कूलों को खोलने के आदेश दिए हैं , हालांकि स्कूलों को सुरक्षा के पूरे इंतजाम करने को कहा गया। वहीं रेस्क्यू ऑपरेशन के सातवें दिन रेस्क्यू में जुटी टीम को दो शव मिले है। इस लैंडस्लाइड से मरने वालों की संख्या अब 380 से अधिक हो गई है। घटना के बाद से 180 लोगों का कुछ पता नहीं चल पा रहा है, जिनकी तलाश जारी है। जानकारी के मुताबिक रेस्क्यू टीम को चार अगस्त को ही दो शव मिले है। वहीं केरल सरकार ने भी शवों की पहचान करने के लिए कई कदम उठाए है। केरल सरकार ने लापता लोगों की पहचान करने के लिए डीएनए परीक्षण के लिए जीवित बचे लोगों और रिश्तेदारों के रक्त के नमूने एकत्र करना शुरू कर दिया है। जहां स्वास्थ्य विभाग ने डीएनए परीक्षण के लिए रक्त के नमूने एकत्र करना शुरू कर दिया है, वहीं नागरिक आपूर्ति विभाग ने लापता लोगों की पहचान करने के लिए राशन कार्ड, आधार कार्ड और लिंक किए गए फोन नंबरों का विवरण एकत्र करना शुरू कर दिया है।

करंट लगने से एक साथ नौ लोगों की मौत

डीजे के 11 हजार वोल्ट के बिजली तार के संपर्क में आने से हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के हाजीपुर में करंट लगने से नौ लोगों की मौत हो गई। घटना औद्योगिक थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर की है। ग्रामीणों का कहना है कि डीजे 11 हजार वोल्ट के बिजली तार के संपर्क में आ गया, जिससे आठ लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। एक ने कुछ देर बाद दम तोड़ दिया। कुल नौ लोगों की मौत के बाद यह आंकड़ा और बढ़ने की आशंका है।

ग्रामीणों के अनुसार मरने वालों में धर्मेंद्र पासवान के पुत्र रवि कुमार, स्व लाला दास के पुत्र राजा कुमार, स्वर्गीय फुदेना पासवान के पुत्र नवीन कुमार, सनोज भगत के पुत्र अमरेश कुमार, मंटू पासवान के पुत्र अशोक कुमार, परमेश्वर पासवान के पुत्र कालू कुमार, मिंटू पासवान के पुत्र आशी कुमार, चंदेश्वर पासवान के पुत्र चंदन कुमार और देवी लाल के पुत्र आमोद कुमार का नाम है। 11 हजार वोल्ट के तार में करंट की चपेट में आए उमेश पासवान के पुत्र राजीव कुमार (17) सहित तीन लोगों का इलाज चल रहा है। फिलहाल अस्पताल में अफरातफरी का माहौल है।

सहारनपुर में लोकल ट्रेन के तीन डिब्बे पटरी से उतरे

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर रविवार को साफ-सफाई के लिए ले जाते समय एक लोकल ट्रेन के तीन डिब्बे पटरी से उतर गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अंबाला मंडल के मंडल प्रबंधक (डीआरएम) मंदीप सिंह भाटिया ने बताया कि मेमू ट्रेन खाली थी और घटना में कोई घायल नहीं हुआ। डीआरएम ने बताया, यह घटना वाशिंग लाइन पर दोपहर करीब तीन बजे हुई। इस वजह से मुख्य मार्ग पर ट्रेन यातायात प्रभावित नहीं हुआ। हम डिब्बों के पटरी से उतरने के कारणों की जांच कर रहे हैं और ट्रैक को ठीक किया जा रहा है।

वैश्विक बाजार में बिकवाली से भारतीय शेयर बाजार में हाहाकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में भारी बिकवाली के बीच सोमवार की सुबह भारतीय शेयर बाजार में हाहाकार दिखा। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सेंसेक्स 1600 अंकों से अधिक फिसल गया।

अमेरिका में संभावित मंदी की आशंका के कारण निवेशकों को की ओर से जोखिम वाली परिसंपत्तियों से दूर करने के बीच सेंसेक्स सोमवार के सत्र में 2,400 अंक से अधिक की गिरावट के साथ खुला। दूसरी ओर, निफ्टी भी बिकवाली के बाद कमजोर होकर 24200 के नीचे पहुंच गया। शुरुआती कारोबार के दौरान टाइटन के शेयरों में 9प्रतिशत तक की गिरावट दिखी।

निवेशकों के 10 लाख करोड़ रुपये डूबे

इस बीच, बीएसई पर सभी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 10.24 लाख करोड़ रुपये घटकर 446.92 लाख करोड़ रुपये रह गया। सोमवार को रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर 83.7525 पर पहुंच गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।